परंपरा

रंगरेज घाट में भरा कजलियां मेला, दूसरे दिन भी बहनों ने बांधी राखी

भाईचारे के साथ मनाई कजलियां, बच्चों में रहा उत्साह

मंडला 10 **अगस्त नभाप्र.** रंगरेज घाट में कजलियां मेला परम्परागत रूप से मेले का आयोजन रंगरेज घाट के गांधी मैदान में किया गया। कंजलिया मेले में लोग उत्साह के साथ कजलिया विसर्जन के लिए पहुंचे। मेला स्थल पर पहुंचे लोगों में उत्साह देखा गया। इस वर्ष परंपरागत रूप से मेला प्रतिवर्षानुसार लगा। मेले में तरह-तरह की दुकानें सजाई गई। सड़क के आसपास दुकानें लगाई गई थी, स्थान के अभाव के कारण मेला स्थल पर झूले कम लगाये गये थे। फिर भी लोगों ने बढ़-चढ़कर मेले में शिरकत की। शहर सहित आसपास के ग्रामों से बड़ी संख्या में लोग मेले में आये। शाम से मेले की रंग्गत बढ़ने लगी। सुरक्षा के लिहाज से रंगरेज घाट तथा मेला स्थल पर पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था। घाट में गोताखोर तैनात किये गये थे। मेले स्थल पर वाहनों की आवाजाही को प्रतिबंधित किया गया था। रक्षा बंधन के पूर्व घरों में बोए गए कजलियों का विधि विधान के साथ विसर्जन किया गया। हिन्दु परम्परा के अनुसार रक्षा बंधन के दूसरे दिन आपसी भाईचारे का त्यौहार कजलियां पूरे जिले में बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। लोग अपने-अपने घरों में बोए गए कजलियां की नित पूजन-अर्चन किया जाता है। संध्याकाल में जलाशयों एवं नदी तट में कजली विसर्जन कर अन्न देवता से अच्छी फसल के लिय प्रार्थना की गई। लोगों ने रंगरेज घाट, रपटा घाट, रंगरेज घाट, नांव घाट, नाना घाट, दादा धनीराम घाट आदि नर्मदा तटों में कजनियां विसर्जित की तथा मां नर्मदा का पूजन अर्चन किया।

होती है धन धान्य की कामना

ग्रामीण अंचलों में कजलियों का एक विशेष महत्व होता है। रक्षा बंधन के 8 दिन पूर्व कजलियों को घरों के पूजा स्थान में बोया जाता है। जिसका रक्षाबंधन के दूसरे दिन समीपी जलस्त्रोतों में विसर्जन किया जाता है और कुछ कजलियों को बचाकर अपने मित्रों सहेलियों, माता पिता सहित अन्य बड़े बुजुर्गों के कान एवं हाथ में रखकर उनसे आशीर्वाद लिया जाता है। रामकुमार कछवाहा ने बताया कि कजलियां का पर्व अच्छी फसल होने की कामना के लिए मनाया जाता है। घर में बोए जाने वाले कजलियों के साथ हम खेत की मेढ़ में भी पूजा करते है। जिससे की खेतों में अच्छी पैदावार हो सके।

दूसरे दिन भी बहनों ने बांधी राखी

इस वर्ष रक्षाबंधन पर्व पर भद्राकाल का साया नहीं रहा। दूसरे दिन भी बहनें अपने भाईयों की कलाई पर राखी बांधने सुबह से अपने भाईयों के घर पहुंची और शुभ मुहूर्त में राखी बांधी। रात्रि 09 बजे तक चहल पहल देखी गई। कुछ बहनें दूरी अधिक होने के कारण रक्षाबंधन के दिन राखी नहीं बांध पाई, दूसरे दिन कजलिया के दिन भी बहनों ने रक्षाबंधन पर्व मनाया। इस दिन भी बहनों ने अपने भाईयों को राखी बांधने अपने भाईयों के पास पहुंची।

बिछिया में हर्षोल्लास से मनाया कजलियां पर्व

भुआ बिछिया 10 अगस्त नभाप्र . आस्था और विश्वास का प्रतीक कजलियां पर्व नगर में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रकृति और हरियाली की खुशहाली का संदेश देने वाला यह लोक पर्व रक्षाबंधन के दूसरे दिन मनाया जाता है। यह पर्व आपसी सद्भाव, भाईचारे और मिलन का प्रतीक है। हर साल की तरह इस वर्ष भी नगर के राम मंदिर में कजलिया मेला लगा। परंपरा के अनुसार कजलिया नदी में खोटने के बाद सबसे पहले भगवान के चरणों में अर्पित किया गया। इसके बाद लोगों ने एक-दूसरे से मिलकर बधाई दी। हाथ में कजलिया लेकर एक बार लो और एक बार दो, नहीं तो कान में खोच दो जैसी पारंपरिक कहावतों के साथ लोगों ने गले मिलकर और हाथ मिलाकर एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं। इस दौरान सभी ने आपसी भेदभाव को भुलाकर एकजुटता का संदेश दिया।

हर्षोल्लास के साथ घुघरी में मनाया कजलियां पर्व

घुघरी 10 अगस्त नभाप्र . विकासखंड घुघरी में कजलियां पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। निकटतम नदी, तालाब में क्षेत्रीय लोगों ने कजलियां विसर्जन करने पहुंचे। क्षेत्रीय लोगों ने बताया कि आपसी राग द्विवेश को मिटाने का प्रतीक कजलियां पर्व पुरातन से चला आ रहा है। नदी जलाशयों से पूजन कर सबसे पहले कजलियों को बुजुर्गों को देकर आशीर्वाद लिया जाता है। इसके बाद एक दूसरे को कजली देकर लोग गले मिलते है। इसके साथ ही धार्मिक गीत संगीत, लोकगीत आदि परम्परागत कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इसी दौरान एक दूसरे को कजलियां भेंट करने का सिलसिला जारी रहता है।

हनुमान नाला मंदिर में अखंड रामायण पाठ का समापन, भक्तों ने किया हवन-पूजन

भुआ बिछिया 10 **अगस्त नभाप्र.** मंडला-बिछिया राष्ट्रीय राजमार्ग 30 पर स्थित प्रसिद्ध हनुमान नाला मंदिर धाम में पूरे श्रावण मास तक चले अखंड रामायण पाठ का समापन हुआ। श्रावण के अंतिम दिन हवन-पूजन और विशाल भंडारे के साथ इस धार्मिक अनुष्ठान का समापन किया गया। इस अवसर पर पूरे महीने रामायण पाठ करने वाले धर्मप्रेमी भक्तों और बिछिया नगर के श्रद्धालुओं ने एकत्रित होकर पवनपुत्र हनुमान से सभी के लिए सुख-समृद्धि की कामना की। दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने भी इस सिद्ध स्थान के दर्शन किए और मनोरम वातावरण का लाभ उठाया।

मंदिर में पूरे श्रावण मास जंगल में मंगल जैसा भक्तिमय माहौल बना रहा। प्रतिदिन 24 घंटे क्षेत्र के समस्त धर्मप्रेमी आश्रम में आकर रामायण पाठ करते थे, जिससे पूरे माह आश्रम का वातावरण भक्तिमय रहा। क्षेत्र की मातृ शक्तियां और वादक यंत्रों में निपुण श्रद्धालु भी प्रतिदिन इस पाठ में शामिल होते थे। समापन के दिन देर रात तक दर्शनार्थियों का आवागमन जारी रहा।

माँ राजराजेश्वरी दुर्गा मंदिर में पूरे श्रावण मास हुआ सुंदरकाण्ड पाठ, भंडारे के साथ हुआ समापन

भुआ बिछिया 10 **अगस्त नभाप्र.** भगवान शिव को समर्पित श्रावण मास के पावन अवसर पर भुआ बिछिया स्थित माँ राजराजेश्वरी दुर्गा मंदिर रेंज कम्पाउन्ड में पूरे महीने सुन्दरकाण्ड पाठ का संगीतमय वाचन किया गया। बीते वर्ष की तरह इस वर्ष भी यह धार्मिक अनुष्ठान पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न हुआ। श्रावण मास के अंतिम दिन श्रावण पूर्णिमा को पाठ की पूर्ण आहुति दी गई, जिसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन हुआ। यह भंडारा देर रात तक चलता रहा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

इस आयोजन में मंदिर के मुख्य पुजारी डुमारी लाल वर्मन के साथ मनोज साहू, विजय ठाकुर, संतोष ताम्रकार, राजेन्द्र कुमार साहू, पुरूषोत्तम दीक्षित, पप्पू सोनी, विपिन ठाकुर, रमाशंकर राय, ओम राय, सूरज साहू, चेतराम सिगौर, अजय ठाकुर, सीताराम राजपूत, सतन साहू, कोमल बंजारा, और राजू कोमल ठाकुर का सहयोग रहा।

हाई स्कूल तिलई की छात्राओं को आए चक्कर, छात्राओं में भय

सीएमएचओ ने अभिभावकों से की अपील, झाड़-फूंक से बचें

मानसिक दबाव के कारण हो सकती है ऐसी समस्या, काउंसलिंग से होगा इलाज

मंडला 10 **अगस्त नभाप्र.** विकासखंड नैनपुर के तिलई हाई स्कूल में छात्राओं के स्वास्थ्य से जुड़ी एक घटना सामने आई है। जिसमें विगत दिवस 2 अगस्त को स्कूल की एक छात्रा को चक्कर आने के बाद उसे प्राथमिक उपचार दिया गया। इसी दौरान दो-तीन अन्य छात्राओं को भी इसी तरह की समस्या होने लगी, जिससे स्कूल में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। डॉक्टरों ने इसे एक छात्रा को देखकर बाकी छात्राओं में उत्पन्न हुआ भय बताया है।

स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और शिक्षकों ने सभी छात्राओं को बम्हनीबंजर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा, जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें मंडला रेफर किया गया। लेकिन कुछ छात्राओं के अभिभावकों ने उन्हें अस्पताल ले जाने की बजाय लफरा स्थित एक मढ़िया में झाड़-फूंक कराने वाले व्यक्ति के पास ले गए। इस दौरान जब मीडिया ने उनसे बात की, तो छात्राओं की तबीयत फिर बिगड़ने लगी। चिकित्सकों की टीम ने जब छात्राओं से उनकी समस्या के बारे में पूछा तो वे स्पष्ट रूप से कुछ नहीं बता पा रही थीं और अजीब व्यवहार कर रही थीं। सीएमएचओ डॉ. डीजे मोहती ने बताया कि यह किशोर अवस्था में मानसिक दबाव, पढ़ाई के तनाव या दैनिक जीवन के दबाव के कारण हो सकता है। यह घबराहट और चिंता की समस्या है, जिसे काउंसलिंग के माध्यम से ठीक किया जा सकता है। सीएमएचओ ने अभिभावकों से अपील की है कि ऐसी स्थिति में वे झाड़-फूंक के चक्कर में न पड़ें, बल्कि अपने बच्चों को नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में संचालित किशोर स्वास्थ्य क्लिनिक में ले जाएं। उन्होंने कहा कि इन क्लिनिकों में काउंसलर मौजूद होते हैं जो बच्चों को सही सलाह दे सकते हैं। उन्होंने अभिभावकों को सलाह दी कि वे घर और समाज में बच्चों को प्यार भरा और उचित माहौल दें जिससे ऐसी समस्याओं से बचा जा सके।

20 पेटी में 180 लीटर देशी शराब जब्त

मंडला 10 अगस्त नभाप्र . कलेक्टर के निर्देश और जिला आबकारी अधिकारी के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग ने अवैध शराब के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की है। विगत दिवस मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर घुघरी तहसील के ग्राम पंचायत कुसमी, गांव भानपुर में दुर्गा प्रसाद की दुकान के पास स्थित एक कमरे में तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान आबकारी टीम ने 20 पेटी देसी मदिरा प्लेन जब्त की। जब्त की गई शराब की कुल मात्रा 180 बल्क लीटर है, जिसकी अनुमानित कीमत 75,000 रुपये है। यह मात्रा अत्यधिक होने के कारण इसे आबकारी विभाग ने अपने कब्जे में ले लिया है। आरोपी के खिलाफ मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर

लिया गया है और आगे की विवेचना जारी है। इस कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक सर्वेश नागवंशी, मुख्य आरक्षक हरे सिंह, दुर्जन कुलेश, महेश पटेल, रघुनाथ उइके, नेतराम ककोटिया, सत्यपाल, ऋषभ, प्रिया नायडू, और आरती डेकाटे सहित अन्य अधिकारी शामिल थे। आबकारी विभाग ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जिले में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ उनका अभियान जारी रहेगा।

भाजपा मंडल बबलिया की बैठक, निकलेगी तिरंगा यात्रा

कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए कार्यकर्ता

बबलिया 10 **अगस्त नभाप्र.** भाजपा मंडल बबलिया की बैठक मंगल भवन बबलिया में आयोजित की गई। बैठक में 10 से 14 अगस्त तक राष्ट्र के नाम झंडा यात्रा निकालने का निर्णय लिया गया। बैठक में बताया गया कि यह तिरंगा यात्रा भाजपा युवा मोर्चा मंडल और महिला मोर्चा द्वारा निकाली जाएगी, इस तिरंग यात्रा में कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल होंगे। इस बैठक के मुख्य अतिथि पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष रुचिराम गुरबानी, विशिष्ट अतिथि के रूप पूर्व

विधायक रामप्यारे कुलस्ते और डॉ. विजय सर्वटे मौजूद रहे। इनके साथ ही जनपद अध्यक्ष आसाराम भारतीय, मंडल अध्यक्ष संदेश जायसवाल और ज्ञान सिंह उरेती उपस्थित रहे। बैठक में रूचिराम गुरबानी और रामप्यारे कुलस्ते ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आगामी कार्यक्रमों के लिए मार्गदर्शन दिया और उन्हें एकजुट होकर काम करने का संदेश दिया। इस दौरान कई कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। जिसमें द्रौपदी कुशरे, मनोज और संतलाल सरपंच शिवानी ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थामा। अतिथियों ने सभी नए सदस्यों का फूल, मालाओं से स्वागत कर उन्हें पार्टी में शामिल किया। बैठक में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जेल में इनर व्हील क्लब ने मनाया रक्षाबंधन, कैदी भाइयों को बांधी राखी

मंडला जिला जेल में कैदी और बहनों के बीच गहरा हुआ मानवीय रिश्ता

मंडला 10 **अगस्त नभाप्र.** रक्षाबंधन का पर्व इस बार मंडला जिला जेल में भावुक माहौल में मनाया गया। इनर व्हील क्लब मंडला की बहनों ने जेल में बंद कैदी भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उन्हें त्योहार की खुशियों से जोड़ा। यह पहल आपसी भाईचारे और सामाजिक अपनत्व का एक सुंदर उदाहरण बनी। क्लब की अध्यक्ष श्रद्धा तपा के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में मोना जैन, आरती बृजपुरिया, किरण पमनानी, सपना भाटिया, अंकिता केशवानी और संजुलता सिंगार समेत अन्य सदस्य मौजूद थीं। बहनों ने कैदी भाइयों की

कलाई पर राखी बांधी, उन्हें मिठाई खिलाई और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस दौरान जेल का माहौल बेहद मानवीय और सकारात्मक हो गया। इस अवसर पर जिलाधीशक भी मौजूद रहे, जिन्होंने कैदियों को अच्छे आचरण और सकारात्मक सोच के साथ जीवन में बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे सामाजिक आयोजन कैदियों को समाज से जुड़ने और अपनी गलतियों को सुधारने का अवसर देते हैं। कैदी भाइयों ने भी इस पहल के लिए इनर व्हील क्लब का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम उन्हें यह महसूस कराता है कि समाज अब भी उनके साथ है और उन्हें एक बेहतर जीवन जीने के लिए प्रेरित करता है। यह आयोजन इस संदेश के साथ समाप्त हुआ कि त्योहार और रिश्ते की डोर हर दिल को जोड़ सकती है, चाहे परिस्थितियां कैसी भी हों।

अंजनी में आदिवासी दिवस पर हुए सांस्कृतिक आयोजन

भुआ बिछिया 10 **अगस्त नभाप्र.** मवई जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत अंजनी में विश्व आदिवासी दिवस बड़े ही धूमधाम और पारंपरिक तरीके से मनाया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत अंजनी और देवरी दादर के छह गाँवों के एक हजार से अधिक महिला-पुरुषों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत बड़ा देव मंदिर में पूजन-अर्चन और आरती के साथ हुई। इसके बाद गाजे-बाजे के साथ एक भव्य रैली निकाली गई, जो गाँव से होते हुए हाई स्कूल के मैदान में पहुँची।

इस आयोजन में पूर्व जनपद अध्यक्ष बिहारी लाल धुर्वे, शिव कुमार मरावी, सरपंच अंजनी मंगल सिंह और सरपंच देवरी दादर सहित कई वरिष्ठ जन उपस्थित थे। सभी ने मिलकर आदिवासी समाज की संस्कृति और एकता का जश्न मनाया। कार्यक्रम में महिलाओं और पुरुषों ने पारंपरिक वेशभूषा में आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं, जिसने पूरे माहौल को उमंग से भर दिया।

विश्व आदिवासी दिवस : सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

विधायक चेन सिंह वरकड़े ने शिक्षा नीति पर उठाए सवाल, समाज सुधार का दिया संदेश

नारायणगंज 10 **अगस्त नभाप्र.** विकासखंड नारायणंज के ग्राम कूम्हा चीरी मैदान पुरखा भूमि क्षेत्र में इस वर्ष विश्व आदिवासी मूलवासी दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक प्रकृति देव-देवी की पूजा से हुई, जिसके बाद चुटका क्षेत्र के लोगों द्वारा प्रस्तुत किए गए। मनमोहक शैला नृत्य ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक चैन सिंह वरकड़े ने सरकार की शिक्षा नीति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार आदिवासियों को अनपढ़ बनाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि वह

शिक्षा भवन के निर्माण के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं।

कार्यक्रम में सरपंच हेमराज पंद्रो ने समाज को नशा और शराब से दूर रहने का संदेश दिया। समाजसेवी दुर्गेश सिंगरौरे ने आदिवासी मूलवासी शब्द का अर्थ समझाते हुए कहा कि एसटी, एससी और ओबीसी सभी इस देश के मूलवासी हैं, जिन्होंने अपनी मूल पहचान खो दी है। उन्होंने युवाओं को सच्चा नेता बनने के लिए त्याग और साहस की जरूरत पर बल दिया। कार्यक्रम में काली राम मरप्पा सहित क्षेत्र के सभी भूमिका समाज के सदस्य उपस्थित रहे, जिन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया।

केहरपुर में आदिवासी दिवस का ऐतिहासिक उत्सव, ढोल, मादर की थाप पर थिरके लोग

मंडला 10 **अगस्त नभाप्र.** विश्व आदिवासी दिवस का ऐतिहासिक उत्सव मंडला जिले की ग्राम पंचायत केहरपुर में धूमधाम से मनाया गया। यह आयोजन आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, एकता और गौरव का प्रतीक बन गया। गांव के हर चौराहे पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का माहौल रहा, जहाँ ढोल-मांदल की थाप पर पारंपरिक गीतों के साथ युवाओं और महिलाओं ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए। मोहनटोला में आयोजित जन संबोधन कार्यक्रम में सरपंच सतवंत उलारी ने आदिवासी समाज के गौरवशाली इतिहास और उनकी अद्वितीय जीवनशैली पर प्रकाश डाला। उन्होंने ग्राम के विकास और शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए सभी से एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष जितेंद्र कुमार भलावी, उपाध्यक्ष प्रकाश परते और वरिष्ठ समाजसेवी सुकेश उइके, पंचम कुडापे, शिवलाल उईके, रवि धुर्वे, राजा, और ओमकार तिलगाम सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी ने आदिवासी समाज की एकता और गौरव को बनाए रखने और उनके विकास के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया।

आकांक्षा हाट मेला, वोकल फॉर लोकल को मिलेगा बढ़ावा

मंडला 10 अगस्त नभाप्र . जिले में वोकल फॉर लोकल पहल को बढ़ावा देने के लिए नीति आयोग और जिला प्रशासन मंडला के सहयोग से आज से आकांक्षा हाट-मेला शुरू हो गया है। 11 से 15 अगस्त तक चलने वाले इस मेले का उद्देश्य स्थानीय कारीगरों और उद्यमियों को एक मंच प्रदान करना है। जल संसाधन विभाग विश्राम गृह, महिष्मती घाट के पास आयोजित इस मेले में जिले के हस्तशिल्प, कृषि उत्पाद और अन्य स्थानीय वस्तुएं प्रदर्शित की जाएंगी। कार्यक्रम का शुभारंभ आज सुबह 11 बजे किया गया। मेला रात 8.30 बजे तक चलेगा। इस आयोजन में मुख्य अतिथि राज्यमंत्री दिलीप जायसवाल, विशिष्ट अतिथि कैबिनेट मंत्री संपतिया उइके और सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, विधायक नारायण सिंह पट्टा, विधायक चैनसिंह वरकड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. संजय कुशराम और नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा भी उपस्थित रहे। यह मेला स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और उपभोक्ताओं को सीधे निर्माताओं से जुड़ने का अवसर प्रदान करेगा।

आयोजन

कछवाहा समाज ने राममंदिर पड़ाव में किया आयोजन, आरती के बाद प्रसाद का वितरण

पारंपरिक पूजन-अर्चन के साथ मनाया लव-कुश जन्मोत्सव

मंडला 10 **अगस्त नभाप्र.** कछवाहा समाज ने श्रावण पूर्णिमा के अवसर पर भगवान लव और कुश का जन्मोत्सव उत्साह के साथ मनाया। श्रीराम मंदिर पड़ाव कछवाहा मंगल भवन परिसर में नवनिर्मित लवकुश मंदिर में समाज के बंधुओं ने एकजुट होकर पूजन-अर्चन किया। इस आयोजन से समाज के लोगों ने अपनी गौरवशाली परंपरा को याद किया। श्रीराम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष रंजीत कछवाहा ने बताया कि यह आयोजन लवकुश भवन में संपन्न हुआ। कछवाहा समाज के अध्यक्ष शशिशंकर कछवाहा ने इस दिन के महत्व को समझाते हुए बताया कि श्रावण पूर्णिमा कुशवाहों के लिए विशेष महत्व रखती है, क्योंकि इसी दिन माता जानकी ने जुड़वां पुत्रों, लव और कुश को जन्म दिया था। उन्होंने बताया कि कुश से ही कुशवाह वंश की शुरुआत हुई और सभी सनातनी कुशवाह उन्हें अपना जनक मानते हैं। इस दिन घरों में भगवान राम, माता जानकी और लव-कुश की विशेष पूजा की जाती है। शशिशंकर ने कहा कि कुशवाह समाज माता जानकी को अपनी प्रथम शिक्षिका मानता है, जिन्होंने लव-कुश को संस्कार और ज्ञान दिया। ऋषि वाल्मीकि ने उन्हें धनुर्विद्या और वेदों का ज्ञान प्रदान किया। उन्होंने बताया कि ऐतिहासिक और पौराणिक तथ्यों के अनुसार त्रेतायुग से चला यह वंश आगे चलकर कछवाहा, कच्छपघात, काछी आदि नामों से जाना गया। उन्होंने महाभारत काल का भी उल्लेख करते हुए बताया कि काछी शब्द का प्रयोग अस्त्र-शस्त्र धारण करने वाली सेना के लिए किया गया है। कछवाहा समाज का इतिहास गौरवशाली रहा है, जिसका राज्य अयोध्या, नरवरगढ़, ग्वालियर और जयपुर जैसे स्थानों में था। इस वंश में महाराजा नल और राजा मानसिंह वीर योद्धाओं ने जन्म लिया। आधुनिक इतिहास में रानी लक्ष्मीबाई के सारथी करणसिंह कछवाहा और लोकतंत्र की स्थापना में जयपुर स्टेट के योगदान का भी जिक्र किया गया। इस गौरवपूर्ण इतिहास और परंपरा को याद करते हुए सभी ने पुजारी बसंत दीपू तिवारी के मार्गदर्शन में भगवान लव-कुश की आरती की और प्रसाद ग्रहण किया।